

भारत ने पाक से छीना मोस्ट फेवर्ड नेशन (MFN) का दर्जा



सन्दर्भ

- जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान से मोस्ट फेवर्ड नेशन (सर्वाधिक तरजीही देश) का दर्जा छीन लिया है।

क्या होता है एमएफएन

- MFN यानि मोस्ट फेवर्ड नेशन एक खास दर्जा होता है ,GATT जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ एंड ट्रेड के अनुच्छेद -1 के अनुसार WTO विश्व व्यापार संगठन के सभी सदस्य देश अन्य सदस्य देशों को MFN का दर्जा प्रदान करेगे।
- यह दर्जा व्यापार में सहयोगी राष्ट्रों को दिया जाता है। इसमें MFN राष्ट्र को भरोसा दिलाया जाता है कि उसके साथ भेदभाव रहित व्यापार किया जाएगा।
 - डब्ल्यूटीओ के नियमों के अनुसार भी ऐसे दो देश एक-दूसरे से किसी भी तरह का भेदभाव नहीं कर सकते। इसमें यह भी कहा गया है कि अगर व्यापार सहयोगी को

खास स्टेटस दिया जाता है तो WTO के सभी सदस्य राष्ट्रों को भी वैसा ही दर्जा दिया जाना चाहिए।

- इसका मतलब केवल इतना है कि व्यापार में कोई भी देश जिसे ये दर्जा मिला हो वो किसी दूसरे देश की तुलना में घाटे में नहीं रहेगा। जब किसी देश को यह दर्जा दिया जाता है तो उससे उम्मीद की जाती है कि वह शुल्कों में कटौती करेगा।
- उन दोनों देशों के बीच कई वस्तुओं का आयात और निर्यात भी बिना किसी शुल्क के होता है। भारत ने पाकिस्तान को मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा 1996 में दिया था।
- पाकिस्तान ने आज तक भारत को मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा नहीं दिया है।

एमएफएन का दर्जा मिलने से क्या हैं लाभ?

- मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा जिस किसी भी देश को दिया जाता है , उस देश को व्यापार में अधिक प्राथमिकता दी जाती है।
- एमएफएन का दर्जा मिल जाने के बाद आयात-निर्यात में विशेष छूट मिलती है। इसमें दर्जा पाने वाला देश सबसे कम आयात शुल्क पर कारोबार करता है।
- विकासशील देशों के लिए MFN फायदे का सौदा है। इससे इन देशों को एक बड़ा बाजार मिलता है। जिससे वे अपने सामान को वैश्विक बाजार में आसानी से पहुंचा सकते हैं

कब वापस लिया जा सकता है MFN का दर्जा?

- WTO के आर्टिकल 21B के तहत कोई भी देश उस दशा में किसी देश से मोस्ट फेवर्ड नेशन का दर्जा वापस ले सकता है , जब दोनों देशों के बीच सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर विवाद उठ गया हो। हालांकि इसके लिए तमाम शर्तें पूरी करनी होती हैं।

पाक पर असर

- वित्तीय अस्थिरता के दौर से गजर रहे पाकिस्तान पर भारत द्वारा mfn का दर्जा वापिस लेने से कारोबारी मश्किलें बढ़ेंगी, भारत और पाकिस्तान के बीच सीमेंट, चीनी, ऑर्गेनिक केमिकल, रुई, सब्जियों और कुछ चुनिंदा फलों के अलावा मिनरल ऑयल, ड्राई फ्रूट्स, स्टील जैसी वस्तुओं का कारोबार होता है।
- इन चीजों के आयात में पाकिस्तान को टैक्स में रियायत मिलती है लेकिन अब जब एमएफएन का दर्जा उनसे छीन लिया जाएगा तो उनके लिए भारत संग कारोबार में दिक्कतें होंगी. सीधा-सीधा पाकिस्तान को इससे आर्थिक नुकसान होगा।

विशेष - भारत का पकिस्तान से व्यापार वित्तीय वर्ष 2017 के दौरान सिर्फ 2.29% बिलियन डॉलर ही रहा , जो भारत के कुल व्यापार का सिर्फ 0.35% ही है इस तरह MFN का दर्जा वापिस लेना एक प्रतिकात्मक कदम है।